प्रणति ठाकुर

लोरी

ओ मेरी गुड़िया, जादू की पुड़िया
जल्दी से तुम सो जाओ न....
ओ मेरी गुड़िया , जादू की पुड़िया
जल्दी से तुम सो जाओ न....

दूध और बताशे हैं, जादू के तमाशे हैं
कलियों सी तुम मुस्कुराओ न...
ओ मेरी गुड़िया,जादू की पुड़िया
जल्दी से तुम सो जाओ न.....

दादी माँ संग है,नानी माँ साथ है
बाँहों में तुम झूल जाओ न .....
ओ मेरी गुड़िया,जादू की पुड़िया
जल्दी से तुम सो जाओ न .....

चाँद का बिछौना है, तारों का खिलौना है
चंदा सी तुम झिलमिलाओ न...
ओ मेरी गुड़िया, जादू की पुड़िया
जल्दी से तुम सो जाओ न.....

सब्ज - परी आयेगी , सपने दिखायेगी
सपनों में तुम खो जाओ न.....
ओ मेरी गुड़िया ,जादू की पुड़िया
जल्दी से तुम सो जाओ न.....
ओ मेरी गुड़िया,जादू की पुड़िया
जल्दी से तुम सो जाओ न.....

चल बहना गाड़ी बन जाएँ....

तू आगे इंजन बन जाना,
हम डब्बा बन साथ निभाएँ
चल बहना गाड़ी बन जाएँ.....

सबसे पहले दादी माँ को
हम सारे तीरथ करवाएँ..
चल बहना गाड़ी बन जाएँ....

बड़े दिन हुए , हम मम्मी को
नानी घर की सैर कराएँ...
चल बहना गाड़ी बन जाएँ....

कई बरस से अपनी बुआ
आई नहीं,लिवा हम लाएँ...
चल बहना गाड़ी बन जाएँ...

पापा को ऑफिस दौरे से
जाकर जल्दी घर ले आएँ...
चल बहना गाड़ी बन जाएँ....

नुक्कड़ के काका बीमार हैं
उनको डॉक्टर को दिखलाएँ...
चल बहना गाड़ी बन जाएँ....

रमिया काकी को हम उनके
बेटे से जाकर मिलवाएँ.....
चल बहना गाड़ी बन जाएँ...
चल बहना गाड़ी बन जाएँ...

ISSN:2583-8849